पर्यावरण का वर्णन अभिनवशुकसारिका कथाग्रंथ के आधार पर

आरती झा

पर्यावरण शब्द परिआवरण के संयोग से बना है। परि का आशय चारों ओर तथा आवरण का आशय परिवेश है। दूसरे शब्दों में कहें तो पर्यावरण अर्थात वनस्पतियों, प्राणियों और मानव जाति सहित सभी सजीवों और उनके साथ संबंधित भौतिक परिसर को पर्यावरण कहतें हैं वास्तव में पर्यावरण में वायु, जल, भूमि, पेड़–पौधे, जीव–जन्तु, मानव और उसकी विविध गतिविधियों के परिणाम आदि सभी का समावेश होता है।

अभिनवशुकसारिका कथाग्रंथ में प्राकृतिक पर्यावरण के साथ–साथ राजनैतिक आर्थिक तथा सामाजिक पर्यावरण का उल्लेख मिलता है।